

**राज्यपाल ने उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस कार्यक्रम में शिरकत की**

लखनऊ: 24 जनवरी, 2017

रंगभारती एवं उत्तर प्रदेश नागरिक परिषद के तत्वाधान में आज उद्यान भवन प्रेक्षागृह उद्यान निदेशालय में उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक, पूर्व लोकायुक्त न्यायमूर्ति एस०सी० वर्मा, अवकाश प्राप्त प्रशासनिक अधिकारी श्री बाबूलाल, आयोजक श्री श्याम कुमार सहित अन्य गणमान्य नागरिकगण भी उपस्थित थे। संस्था की ओर से 9 विशिष्टजनों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं एवं विभिन्न विधाओं में विशिष्ट योगदान के लिये स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

राज्यपाल ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि उत्तर प्रदेश का राजनैतिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान रहा है। 1857 का पहला स्वतंत्रता संग्राम उत्तर प्रदेश से प्रारम्भ हुआ था। उत्तर प्रदेश ने देश को अब तक 9 प्रधानमंत्री दिये हैं। आबादी की दृष्टि से यह सबसे बड़ा प्रदेश है। यह प्रदेश भगवान राम, गौतम बुद्ध और अनेक सूफी संतो की जन्म एवं कर्म स्थली रहा है। सांस्कृतिक दृष्टि से उत्तर प्रदेश का अपना विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने देश को राजनैतिक दिशा देने का काम किया है।

श्री नाईक ने कहा कि 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती होती है। 24 जनवरी 1950 को उत्तर प्रदेश की स्थापना की अधिसूचना जारी हुई। इसलिये इस तिथि को उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के रूप में जाना जाता है, 25 जनवरी को मतदाता दिवस मनाया जाता है और 26 जनवरी को पूरा देश गणतंत्र दिवस मनाता है। इस दृष्टि से यह सारी तिथियाँ अपने आप में महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि संयोजक श्री श्याम कुमार उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस का आयोजन करते हैं जिसके माध्यम से कुछ सुनने और सुनाने का मौका मिलता है।

राज्यपाल ने कहा कि 1 मई को महाराष्ट्र दिवस मनाया जाता है और मुंबई में रहने वाले उत्तर भारतीय गत 29 सालों से उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस मनाते हैं। उड़ीसा के लोग लखनऊ में रहकर उड़ीसा दिवस मनाते हैं। लोग जब दूसरे प्रदेश में होते हैं तो अपना प्रदेश शायद ज्यादा याद आता है। उनका मानना है कि उत्तर प्रदेश में भी स्थापना दिवस पर सरकारी आयोजन होना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि अगले साल राज्य सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

श्री नाईक ने कहा कि 25 जनवरी मतदाता दिवस के रूप में मनाया जाता है। 18 वर्ष पूर्ण होने पर नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम अंकित करा सकता है। वर्ष 2012 के विधान सभा चुनाव में प्रदेश में 12.74 करोड़ मतदाता थे जिसमें केवल 59.52 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया तथा वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में प्रदेश में 13.88 करोड़ मतदाताओं में केवल 58.27 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया जिसका मतलब यह है कि करीब 40 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान नहीं किया। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नयी मतदाता सूची के अनुसार उत्तर प्रदेश में 2017 के विधान सभा चुनाव में 14.13 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 24.53 लाख नये मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। उन्होंने आग्रह किया कि मतदान के अधिकार के साथ मतदान करके अपने दायित्व का निर्वहन करें तथा संकल्प लें कि प्रदेश में शत-प्रतिशत मतदान हो।

राज्यपाल ने प्रशासनिक दक्षता के लिये अवकाश प्राप्त प्रशासनिक अधिकारी श्री एस०के० त्रिपाठी को डा०० जनार्दन दत्त शुक्ल रंगभारती सम्मान, विधि के क्षेत्र में न्यायमूर्ति अशोक कुमार श्रीवास्तव को न्यायमूर्ति कमलाकांत वर्मा रंगभारती सम्मान, पत्रकारिता के क्षेत्र में श्री राजनाथ सिंह सूर्य को डा०० धर्मवीर भारती रंगभारती सम्मान, चिकित्सा के क्षेत्र में निदेशक एस०जी०पी०जी०आई० प्रो० राकेश कपूर को धन्वंतरि रंगभारती सम्मान, पुलिस प्रशासन के क्षेत्र में श्री रंजन द्विवेदी सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी को विश्वनाथ लहरी रंगभारती सम्मान, समाज सेवा के क्षेत्र में अवकाश प्राप्त प्रशासनिक अधिकारी श्री एस०एन० शुक्ल को धर्मकिशोर रंगभारती सम्मान, नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में श्रीमती अंजली सिंह को अनारकली देवी रंगभारती सम्मान, खेल के क्षेत्र में हाँकी के पूर्व ओलम्पियन श्री रवीन्द्र पाल सिंह को ध्यानचन्द्र रंगभारती सम्मान तथा शिक्षा के क्षेत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० एस०पी० सिंह को डा०० सम्पूर्णानन्द रंगभारती सम्मान से सम्मानित किया।

कार्यक्रम में पूर्व लोकायुक्त न्यायमूर्ति एस०सी० वर्मा तथा श्री बाबूराम सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे। श्री श्याम कुमार ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा समारोह का संचालन श्रीमती अनीता सहगल द्वारा किया गया।

-----

